शुआट्स विद्यार्थियों हेतु कृषिवानिकी प्रशिक्षण का शुभारम्भ

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा दिनांक 28.08.2023 को सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) नैनी के विज्ञान वर्ग स्नातक (ऑनर्स) के वानिकी छात्रों को कृषिवानिकी विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ पर केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कृषिवानिकी विषय पर प्रकाश डाला। उन्होने कृषिवानिकी का पर्यावरण एवं मानव जीवन में महत्व एवं आवश्यकता पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कृषिवानिकी प्रजातियों के औद्योगिक महत्व को बताया गया। उन्होने कृषिवानिकी परियोजना अपनाने सम्बन्धी भूमि अनुसार प्रजातियों के चयन, उपयुक्त कृषिवानिकी मॉडल तथा उनकी आर्थिकी के साथ ही हरित क्षेत्र की वृद्धि में कृषिवानिकी के महत्व से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला द्वारा कृषिवानिकी में मीलिया डूबिया तथा बाँस प्रजातियों के महत्व से अवगत कराते हुए प्रशिक्षणार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयी। केन्द्र की बाँस परियोजना में वरिष्ठ परियोजना अध्येता के पद पर कार्यरत कुलदीप सिंह के नेतृत्व में प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्रीय अनुसंधान पौधशाला, पडिला का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान महत्वपूर्ण कृषिवानिकी के प्रदर्शन मॉडल यथा यूकेलिप्टस एवं पॉपलर आदि के विषय में बताया गया।

One Month Training for B.Sc. (Hons.) Forestry Students
of SHUATS, Prayagraj
AGROFORESTRY
28th August-27th September 2023
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

One Month Training for B.Sc. (Hons.) Forestry Students
of SHUATS, Prayagraj
AGROFORESTRY
28th August-27th September 2023
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

प्रयागराज मंगलवार 29 अगस्त 2023

शुआट्स विद्यार्थियों हेतु कृषिवानिकी प्रशिक्षण का शुभारम्भ

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केन्द्र द्वारा सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) नैनी के विज्ञान वर्ग स्नातक (आनर्स) के वानिकी छात्रों को कृषिवानिकी विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर केन्द्र

की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कृषिवानिकी विषय पर प्रकाश डाला तथा इसके महत्त्व व आवश्यकता पर विचार व्यक्त किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कृषिवानिकी प्रजातियों के औद्योगिक महत्व को बताया गया। उन्होंने कृषिवानिकी परियोजना अपनाने सम्बन्धी भूमि अनुसार प्रजातियों के चयन, उपयुक्त कृषिवानिकी मॉडल तथा उनकी आर्थिकी के साथ हरित क्षेत्र वृद्धि में कृषिवानिकी के महत्त्व से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, डॉ. एस.डी. शुक्ला द्वारा कृषिवानिकी में मीलिया डूबिया तथा बॉस प्रजातियों के महत्त्व से अवगत कराते हुए प्रशिक्षणार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दीं। प्रशिक्षणार्थियों को कुलदीप सिंह, वरिष्ठ परियोजना अध्यता के नेतृत्व में केंद्रीय अनुसन्धान पौधशाला का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान महत्वपूर्ण कृषिवानिकी के प्रदर्शन मॉडल यथा युकेलिप्टस व पॉपलर आदि के विषय में बताया गया।

शुआट्स विद्यार्थियों के लिये कृषिवानिकी प्रशिक्षण का शुभारम्भ

नैनी, प्रयागराज (नि.सं.)। सोमवार को पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केन्द्र द्वारा सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) नैनी के विज्ञान वर्ग स्नातक (आनर्स) के वानिकी छात्रों को कृषिवानिकी विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कृषिवानिकी विषय पर प्रकाश डाला तथा इसके महत्त्व व आवश्यकता पर विचार व्यक्त किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कृषिवानिकी प्रजातियों के औद्योगिक महत्व को बताया गया। उन्होंने कृषिवानिकी परियोजना अपनाने सम्बन्धी भूमि अनुसार प्रजातियों के चयन, उपयुक्त कृषिवानिकी मॉडल तथा उनकी आर्थिकी के साथ हरित क्षेत्र वृद्धि में कृषिवानिकी के महत्त्व से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, डॉ. एस.डी. शुक्ला द्वारा कृषिवानिकी में मीलिया डूबिया तथा बांस प्रजातियों के महत्त्व से अवगत कराते हुए प्रशिक्षणार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दीं। प्रशिक्षणार्थियों को कुलदीप सिंह, वरिष्ठ परियोजना अध्यता के नेतृत्व में केंद्रीय अनुसन्धान पौधशाला का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान महत्वपूर्ण कृषिवानिकी के प्रदर्शन मॉडल यथा युकेलिप्टस व पॉपलर आदि के विषय में बताया गया।